समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

'...तो खुल जाएंगे राज' सरकार के खिलाफ भड़के बॉलीवुड सितारे ! ED, CBI के डर से जावेद अख्तर ने ऐसा क्यों कहा ?

Publisher

Published on 12 May 2025

कई मुद्दों पर अपनी तीखी राय रखने वाले जावेद अख्तर ने बॉलीवुड हस्तियों की भूमिका को लेकर एक चौंकाने वाला बयान दिया है।

हिंदी कला जगत के वरिष्ठ लेखक और गीतकार जावेद अख्तर हमेशा विभिन्न मुद्दों पर अपनी तीखी राय व्यक्त करते रहे हैं। चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, धर्म हो या संप्रदाय, या किसी व्यक्ति की भूमिका... अख्तर अपने विचार बहुत ही ठोस ढंग से रखते नजर आए हैं। इन्हीं जावेद अख्तर ने अब बॉलीवुड हस्तियों यानी हिंदी कला जगत की हस्तियों को लेकर कुछ ऐसी बातें कही हैं कि उनके बयान ने पल भर में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि बॉलीवुड अभिनेता सरकार के खिलाफ क्यों नहीं बोलते ? जब उनसे यह प्रश्न पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में इसका उत्तर दिया। कपिल सिब्बल के साथ एक साक्षात्कार के दौरान अख्तर ने कला जगत से जुड़े कुछ मुद्दों पर प्रकाश डाला। इस समय सिब्बल ने उनसे एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पूछा। आजकल जो कलाकार हैं, वे सरकार के खिलाफ वैसा रुख कभी नहीं अपनाते जैसा मेरिल स्ट्रीप ने अमेरिका में अपनाया था; ये सभी चर्च शांत क्यों हैं ? यह एक प्रकार का प्रश्न है।

'क्या आप सचमुच उत्तर जानना चाहते हैं ?'
सिब्बल द्वारा पूछे गए इस सवाल का जवाब देते हुए अख्तर ने व्यंग्यात्मक सवाल पूछा, 'क्या आप वाकई जवाब जानना चाहते हैं ?' मैंने यह पूछा. उन्होंने आगे कहा, 'आपको शायद यह भी नहीं पता होगा कि ऐसा क्यों हो रहा है।' यह कैसे संभव है कि इस चर्च का

नाम इतना बड़ा हो ? लेकिन वास्तविकता यह है कि उनका आर्थिक स्तर उतना ऊंचा नहीं है। एक मध्यमवर्गीय उद्योगपति पूरी कला दुनिया को अपनी जेब में रख सकता है। बड़े लोगों में से, जिनके पास पैसा है, कौन बोलता है ? क्या कोई है जो बोला है ? किसी को भी नहीं...'

इस अवसर पर उन्होंने हॉलीवुड अभिनेत्री मेरिल स्ट्रीप का उदाहरण देते हुए उन्हें याद दिलाया कि ऑस्कर के मंच पर स्पष्ट बयान देने के बावजूद उन पर आयकर विभाग का छापा नहीं पड़ा। अख्तर ने कहा, इसलिए हम इस दुविधा में फंसे हुए हैं कि भारतीय कलाकारों में असुरक्षा की यह भावना वास्तविक है या नकली। यह वास्तव में एक संभावना हो सकती है। क्योंकि, अगर ऐसी आशंका है तो ईडी, आयकर विभाग, सीबीआई आएगी और हमारी फाइलें फिर से खोली जाएंगी... जांच का डर मुझे सताता है। वे भले ही कला जगत से न हों, लेकिन वे इसी समाज में रह रहे हैं। वे सामान्य व्यवहार कर रहे हैं। इस क्षेत्र में केवल प्रचार है, यहां वाक्पटु वक्ता बहुत कम हैं, और यह उनमें से एक है। "लेकिन मैं समझता हूं कि अन्य समूह क्यों नहीं बोल रहे हैं..." उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.